संयुक्त निदेशालय प्रसार शिक्षा में *दुधारू पशु प्रबन्धन* विषय पर 10.10.17 से 14.10.17 तक पांच दिवसीय आवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

संयुक्त निदेशायलय प्रसार शिक्षा भा0 कृ0 अ0 प0 भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान में दुधारू पशु प्रबन्धन विषय पर आत्मा योजना के अन्तर्गत भोजपुर (बिहार) से आये 20 किसानों के लिए पांच दिवसीय आवसीय प्रशिक्षण का प्रारम्भ आज दिनांक 10.10.2017 को हुआ। प्रशिक्षण मुख्यतः पशुओं में दुग्ध उत्पादन के महत्व तथा इनका शारीरिक स्वास्थ्य एवं उत्पादन क्षमता पर प्रभाव जैसे अनेकों विषयों पर व्याखान तथा संतुलित आहार एवं पशु प्रबन्धन में कौशल विकास पर केन्द्रित होगा। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षु किसानों मे दुधारू पशु प्रबन्धन हेतु ज्ञानर्जन करने तथा इससे आय अर्जित करने के लिए सम्पूर्ण कौशल का विकास करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ डा0 रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक प्रभारी एटिक, प्रसार शिक्षा द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में डा0 रूपसी तिवारी प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने किसानों की दुधारू पशु प्रबन्धन में रूचि लेने एवं इस कार्यक्रम में सहभागिता की प्रंशासा की तथा पशुपालन क्षेत्र में उनके कौशल विकास हेतु काम करने के लिए कार्यक्रम की प्रायोजक संस्था "आत्मा" का धन्यवाद किया। उन्होने बताया कि हमारा संस्थान पशुपालकों एवं कृषकों के मध्य पशुपालन सम्बन्धी जानकारी एंव कौशल विकास हेतु सतत् रूप से कार्यरत है। संस्थान वर्ष भर इस प्रकार के कई प्रशिक्षण तथा अन्य प्रसार गतिविधियों को आयोजित कराता है। उन्होने प्रशिक्षणार्थियों से अनुरोध किया कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण मे वे मन लगाकर भाग लें और दुधारू पशु प्रबन्धन मे अच्छा कौशल विकास कर अपनी इकाई की स्थापना करें। इस अवसर पर डा0 पच्चयप्पन प्रधान वैज्ञानकि, प्रसार शिक्षा ने अपने सम्बोधन में बताया कि पुरूषों के साथ महिलओं को भी पशुपालन एवं खेतीबाडी से सम्बान्धित प्रशिक्षण करावाया जाये ताकि महिलायें भी आत्मनिर्भर बन सकें।